दुर्घटना

दमोह-सागर स्टेट हाईवे पर बांसा में हादसा

ट्रक, बोलेरो और बाइक में भिड़ंत, 4 मृत

नवभारत, दमोह. दमोह-सागर स्टेट हाईवे पर बांसा में शुक्रवार शाम करीब पांच बजे हुए भीषण सड़क हादसे में दो सगे भाई सहित चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सागर रोड पर जिला मुख्यालय से 10 किलोमीटर दूर बांसा तारखेड़ा ग्राम में गुलाब बाबा मंदिर के समीप शुक्रवार शाम बोलेरो और ट्रक क्र.आर जे 19 जीजी 3100 के बीच भिड़ंत हो गई.

इसी दौरान बाइक क्रं.एमपी 34एमपी 1197 सवार दो स्थानीय युवक भी बुलेरो व ट्रक में टकरा गए.तेज रफ्तार की वजह से टक्कर इतनी जबरदस्त थी, कि बाइक सवार दोनों युवको की मौके पर ही मौत हो गई.खून से लथपथ शव काफी देर तक सड़क पर ही पड़े रहे.प्राप्त जानकारी अनुसार मृतकों की पहचान सूरज पिता कोड़ी अहिरवार उम्र 30 तथा जीवन पिता कोड़ी अहिरवार पिता उम्र 33 पिता पौड़ी लाल निवासी वन चौकी के पास ग्राम बांसा के रूप में हुई है. मृतक दोनो आपस में सगे भाई है. मृतको के पिता आर्मी से सेवानिवृत्त ने बताया उनके छोटे बेटे का आज लग्नउत्सव कार्यक्रम था, जिसके लिए वह दोनों भाई सिलेंडर लेने के लिए घर से निकले थे. इसी दौरान यह हादसा हो गया.

जेसीबी से रेस्क्यू

वहीं बोलेरो क्रमांक एमपी 34 सीए 3825 में सवार दो लोगों की गाड़ी में फंसने से दर्दनाक मौत हो गई.जिन्हें बाहर निकालने के लिए जेसीबी की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया. मृतको की शिनाख्त राजू चौधरी पिता संतोष चौधरी उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम भरतलाई थाना मगरोन व धर्मेंद्र पिता राघवेंद्र सिरवईया उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम बूढ़ा थाना मगरोन के तौर पर हुई.स्थानीय लोगों की मदद से राहत कार्य हुआ.

सुदामा श्रीकृष्ण भावपूर्ण मिलन के साथ कथा का समापन

▶ बूढ़ी माई कटंगी में चल रही थी श्रीमद् भागवत

नवभारत, कटंगी, जबलपुर। कटंगी नगर के दुर्गा चौक बजरिया में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का समापन आज अत्यंत भावपूर्ण प्रसंग एवं वातावरण में हुआ। कथा के अंतिम दिवस पर भगवान श्रीकृष्ण और उनके परम मित्र सुदामा के पावन प्रसंग का मार्मिक वर्णन किया गया, जिसे सुनकर उपस्थित श्रोतागण भाव-विभोर हो उठे।

कथा वाचक डा. पं दिनेश द्विवेदी ने सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए बताया कि सुदामा अत्यंत निर्धन होने के बावजूद अपने मित्र भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अटूट श्रद्धा और सच्चा प्रेम रखते थे। अपनी पत्नी के आग्रह पर वे द्वारका पहुंचे, जहां भगवान श्रीकृष्ण ने उनका हृदय से सम्मान व स्वागत किया। उन्होंने सुदामा के लाए हुए चावल को बड़े प्रेम से ग्रहण किया और बिना मांगे ही अपने मित्र के जीवन को सुख-समृद्धि से भर दिया।

कथा में यह संदेश दिया गया कि सच्ची मित्रता, भक्ति और निस्वार्थ प्रेम ही जीवन का सबसे बड़ा धन है। भगवान अपने भक्तों की भावना को देखते हैं, न कि उनके धन-दौलत को। समापन अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उपस्थित रही। पूरे पांडाल में भक्ति, श्रद्धा और भावनाओं का अद्भुत संगम देखने को मिला। अंत में महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ कथा का विधिवत समापन हुआ। भंडारे का आयोजन कल किया जावेगा।

जहां भक्त वहीं लीलाएं करते हैं भगवान : नृसिंह देवाचार्य

▶ प्रज्ञा विहार में भागवत कथा आयोजित

नवभारत, सिहोरा। प्रज्ञा विहार कालोनी में चल रहे सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ के पंचम दिवस गीता धाम के महंत परम पूज्य स्वामी नृसिंह देवाचार्य जी ने कहा भगवान के असंख्य अवतार हुए है परन्तु श्रीराम, श्रीकृष्ण का अवतार दिव्य है। अवतारा हा संख्येया: अत: उन अवतारों में भगवान श्रीकृष्ण का पावन प्राकट्य मथुरा में कंश के कारागार में हुआ। पर बाल लीलाएं व उत्सव मथुरा में नहीं ब्रज में होता है। क्योंकि मथुरा में पापी केशं का साम्राज्य था। ब्रज में भगवत नन्दादिक गोप व गोपी हैं। जहां भक्त होते है भगवान की लीलाएं वहीं होती हैं। सुंदर रुप धारण कर पुतना भगवान का वध करने पहुंच गई और मौका पाकर पुतना भगवान को लेकर आकाश में चली गई और जैसे ही वह स्तन पान कराने लगी तो भगवान ने उसे जोर से पकड़ लिया वो चिल्लानें लगी तो भगवान ने कहा जिसे पकड़ लेता हूं छोड़ता नहीं हूं। इस तरह भगवान ने पुतना के साथ सकटा सुर, अघासुर, बकासुर आदि का भी अंत करके कंश को भरोसा करा दिया कि यही उसके परम शत्रु है। पूज्य गहराज श्री ने कहा अधर्म पथ का अनुयायी चाहे जितना शक्तिशाली क्यों न हो शीघ्र ही विनष्ट होता जाता है। अत: जो ईश्वर पर भरोसा कर धर्म पथ पर चलने का प्रयास करता है वही सदा सुखी सानान्द जीवन पूर्ण कर अपने लक्ष्य के प्राप्त करता है। ' धर्मो रक्षति रक्षित:। जिस तरह भक्त भगवान को पाने लालायित रहते हैं उसी तरह भगवान भी भक्त को पाने लालायित रहते हैं। कथा के पूर्व आयोजक मंडल के देववती अग्निहोत्री, मनेन्द्र अग्निहोत्री, जनपद पंचायत सिहोरा अध्यक्ष रश्मि अग्निहोत्री, नरेन्द्र कुमार अग्निहोत्री, रघुनाथ, देवेन्द्र, संतोष, समीर, शिवशक्ति, अतिन, वैभव, सचिन, अनुज अग्निहोत्री आदि ने व्यासपीठ का पूजन किया।

शोक संतप्त परिवार से मिलने पहुंचे सांसद

पनागर, नवभारत। पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष एवं पार्षद अनिल गौतम के पुत्र मनु गौतम के आकस्मिक निधन शुक्रवार को जबलपुर सांसद आशीष दुबे शोक संतप्त गौतम परिवार से मिलने उनके निवास पहुंचे। श्री दुबे ने दिवंगत मनु गौतम को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में वह और भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह से उनके साथ खड़ी है। इस दौरान मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र साहू, आनंद जैन, अंकुर जैन, संतोष सैनी, राजेश तिवारी, रोशन तिवारी, अतुल सैनी, विमलेश चौधरी, योगेश बर्मन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कटंगी की सबसे बड़ी हिरन नदी का पानी हो रहा प्रदूषित

▶ किसान, आमजन, पशु पक्षी सभी के लिए प्रदूषण बना चिंता का विषय

नवभारत, कटंगी, जबलपुर। पाटन कटंगी से होकर बहने वाली हिरन नदी इन दिनों गंभीर प्रदूषण की चपेट में आती जा रही है। जानकारी के अनुसार कई नालों का दूषित और गंदा पानी लगातार हिरन नदी में मिल रहा है, जिससे नदी का पानी तेजी से दूषित होता जा रहा है।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि नालों से निकलने वाला गंदा पानी सीधे हिरन नदी में छोड़ा जा रहा है, जिसके कारण नदी का पानी का रंग भी काला हो रहा साथ ही अब उपयोग के योग्य नहीं रह गया है। इसका सीधा असर आम जनता के दैनिक उपयोग , किसानों की सिंचाई , लोगों के स्नान और पशु-पक्षियों के पानी पीने पर पड़ रहा है।

खेतों की सिंचाई करना किसानों की बना मजबूरी

किसानों के पास सिंचाई संसाधन के अभाव में इसी नदी के दूषित पानी से खेतों की सिंचाई करनी पड़ रही है, जिससे फसलों की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। वहीं पशु-पक्षी भी इसी दूषित पानी को पीने के लिए मजबूर हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर खतरा बढ़ता जा रहा है।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित विभागों को जानकारी दी गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे स्थानीय लोगों में नाराज़गी देखी जा रही है। कटंगी वासियों की मांग है कि नगर के नजदीक से गुजरी एकमात्र बड़ी हिरन नदी में प्रदूषण मामले की शीघ्र जांच कर हिरन नदी में मिल रहे नालों के दूषित पानी को तुरंत रोका जाए, ताकि नदी को प्रदूषण से बचाया जा सके और आम जनता को राहत मिल सके।

निरीक्षण पर पहुंचे कांग्रेसी

आज कटंगी हिरन नदी घाट पर पहुंचकर ललित सोनी युवक कांग्रेस अध्यक्ष पाटन विधानसभा सहित नितिन राजपूत, सत्यम नेमा ,यश सोनी सौरभ सोनी, विनय नेमा ने निरीक्षण कर नदी के मौजूदा हालात का निरीक्षण कर प्रशासन से पुरजोर मांग रखी कि नदी को प्रदूषण मुक्त करने हरसंभव प्रयास किए जाएं।

बोरिया विद्युत मंडल परिसर में 8 एमबीए का लगा नया ट्रांसफार्मर

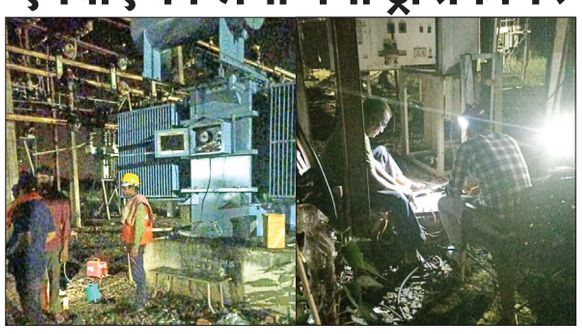

नवभारत, बोरिया, जबलपुर। 10 अप्रैल को गांव की सुबह से लेकर रात्रि 9 बजे तक लाइट बंद रही , लोगों को भीषण गर्मी में अनेकों परेशानियों का सामना करना पड़ा। पर दूसरी ओर एक राहत भरी खबर ये भी रही कि लाइट बंद का कारण विद्युत सब स्टेशन में सुबह से ही एक ट्रांसफर को अपग्रेड कर ग्रामीण क्षेत्रों को विद्युत सप्लाई बेहतर करने का कार्य प्रारंभ किया गया जो रात्रि तक कर्मचारी करते रहे।

कई गांव को लाभ-विद्युत मंडल सब स्टेशन बोरिया 33/11 केवी उपकेंद्र में पुराने ट्रांसफार्मर के स्थान पर नया ट्रांसफार्मर 8 (एमबीए) का ट्रांसफार्मर लगाया गया जिससे कि पोनिया, नरेंद्रपुर के 12 गांव लाभांवित होंगे। इसमें लगभग 650 पम्प और 1100 घरेलू उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता पूर्वक विद्युत प्रदान की जा सकेगी । उपरोक्त निर्माण संभाग के सहायक अभियंता रोहित काछी, शुभम् तंतुवाय एवं स्वर्ण सिंह मनकोटिया सहायक अभियंता की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

मुख्यालय छोड़ दूसरी तहसील में कर रहे निवास

सिहोरा। मुख्य डाकघर गोसलपुर के अंतर्गत संचालित लखनपुर झिंगरई घाट सिमरिया हरसिंघी डाकघर शाखा में पदस्थ डाक कर्मचारी वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश के बावजूद भी अपने मुख्यालय में निवास न कर बल्कि पनागर तहसील में अपना निवास कर रहे हैं जिससे आम जनमानस को बेहद परेशानी हो रही है समय पर डाकघर नहीं खुलता समय के पहले डाकघर बंद हो जाता है डेली अप डाउन के चक्कर में डाक विभाग के द्वारा डाक उपभोक्ताओं के लिए चलाई जाने वाली तमाम योजनाओं की जानकारी लोगों को नहीं मिल पाती है साथ ही मुख्यालय में निवास न करने के कारण डाक कर्मचारियों और आम जनमानस का बेहतर समन्वय नही बन पाने के कारण डाकघर के व्यवसाय में वृद्धि नहीं मिल पा रही है जिससे विभाग को लगातार नुकसान पहुंच रहा है अनेको बार प्रबुद्ध जनों द्वारा इन डाकघर में पदस्थ डाक कर्मचारियों से मुख्यालय में निवास करने के लिए बोला गया परंतु उनके द्वारा लोगों की मांग को अनसुना कर दिया गया।

डॉ. काव्या परोहा ने 10 स्वर्ण पदकों के साथ बढ़ाया नगर का मान

नवभारत, सिहोरा। सिहोरा नगर की होनहार छात्रा डॉ. काव्या परोहा ने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक असाधारण उपलब्धि हासिल कर पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज, जबलपुर में आयोजित दीक्षांत समारोह के दौरान डॉ. काव्या को उनके एमबीबीएस पाठ्यक्रम के 10 विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदकों से सम्मानित किया गया।

डॉ. काव्या परोहा एक प्रतिष्ठित शिक्षक परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता श्री संतोष कुमार परोहा (सांदीपनि विद्यालय एवं पंडित विष्णु दत्त शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सिहोरा) और माता श्रीमती अंजना परोहा (शासकीय माध्यमिक शाला, मरहठी) शिक्षा जगत से जुड़े हुए हैं। नगरवासियों का मानना है कि डॉ. काव्या की यह सफलता उनके परिवार द्वारा दी गई शिक्षा और संस्कारों की मजबूत नींव का ही सुखद परिणाम है। अपनी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर डॉ. काव्या ने बताया कि चिकित्सा की पढ़ाई के दौरान उन्होंने अनुशासन और समर्पण को ही अपना मूल मंत्र बनाया। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता सहित शिक्षकों को दिया।

बेलखाडू से गुजरी महिला सशक्तिकरण की अनोखी दंडवत यात्रा

▶ बालाघाट से केदारनाथ तक 14.50 किमी का लिया है संकल्प

नवभारत, बेलखाडू, जबलपुर। शुक्रवार सुबह 9 बजे नेशनल हाईवे 34 पर बेलखाडू क्षेत्र में एक बेहद प्रेरणादायक और अद्भुत दृश्य देखने को मिला। यहां से गुजर रही दो युवाओं की दंडवत यात्रा ने राहगीरों और स्थानीय लोगों को भावुक और प्रेरित कर दिया। यह यात्रा मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले की तहसील मलाजखंड से शुरू हुई है और इसका लक्ष्य पवित्र धाम केदारनाथ धाम तक पहुंचना है। इस कठिन और अनोखी यात्रा पर निकले युवाओं में निर्मल उईके और तुलेंद्र मरावी शामिल हैं, जिन्होंने समाज और प्रकृति के लिए एक बड़ा संकल्प लिया है।

यात्रियों ने बताया कि यह दंडवत यात्रा केवल धार्मिक आस्था नहीं बल्कि सामाजिक जागरूकता का अभियान भी है। इस यात्रा के प्रमुख उद्देश्य हैं, महिला सशक्तिकरण का संदेश फैलाना, महिला सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं गौ रक्षा के प्रति लोगों को प्रेरित करना, अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना , प्राकृतिक संरक्षण और पर्यावरण बचाने का संदेश देना रहा। यह यात्रा लगभग 14,50 किलोमीटर लंबी है और इसे पूरा करने में करीब डेढ़ वर्ष का समय लगेगा। शिवरात्रि 15 फरवरी से शुभारंभ हुई दंडवत यात्रा प्रतिदिन 4 से 5 किलोमीटर हो पाती है, दंडवत यात्रा अत्यंत कठिन मानी जाती है खासकर अभी इस भीषण गर्मी में जब आग पर तबे जैसी सड़क तप रही है। क्योंकि इसमें यात्री हर कुछ कदम पर दंडवत प्रणाम करते हुए आगे बढ़ते हैं। इस प्रकार की यात्रा शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण होती है।

रास्ते में मिल रहा जनसमर्थन- यात्रियों ने बताया कि पूरे मार्ग में उन्हें लोगों का भरपूर सहयोग और आशीर्वाद मिल रहा है। जगह-जगह स्थानीय लोग उनका स्वागत करते हैं, भोजन और विश्राम की व्यवस्था करते हैं और उनके अभियान की सराहना करते हैं। मलाजखंड के ये युवा निर्मल उईके (22 वर्ष) बी कॉम तक शिक्षित हैं एवं तुलेंद्र मरावी (23 वर्ष) बीएससी तक शिक्षित हैं आप दोनो का कहना है कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए युवाओं को आगे आना चाहिए। उनका मानना है कि यह यात्रा लोगों को अधिकार दिलाने, महिलाओं को सम्मान दिलाने, वृद्धाश्रम निर्माण, गौ की रक्षा एवं गौ शाला निर्माण, गलत कार्यों को रोकने के लिए प्रेरित करेगी।

सांदीपनि विद्यालय में कार्यशाला का शुभारंभ

नवभारत, सिहोरा। शासकीय सांदीपनि पं. वि. द. उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिहोरा में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु 6 दिवसीय 'सार्वभौमिक मानवीय मूल्य' कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। दिनांक 6 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हुई यह कार्यशाला 11 अप्रैल 2026 तक चलेगी, जिसमें कक्षा 9वीं से 12वीं तक के लगभग 100 चयनित छात्र-छात्राएं उत्साहपूर्वक सहभागिता कर रहे हैं।

कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती पूजन के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री अशोक उपाध्याय, उप प्राचार्य श्री शैलेंद्र मिश्रा, प्रबोधक सुश्री दीप्ति ठाकुर एवं श्रीमती सुनीता शर्मा ने मां शारदे की आराधना की। इस दौरान विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं प्रतिभागी छात्र उपस्थित रहे। अतिथियों के स्वागत के पश्चात कार्यक्रम की गरिमामयी शुरुआत हुई। कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए डॉ. मनीषा खरे ने कार्यशाला के महत्व, उसकी विषय-वस्तु और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार मानवीय मूल्य विद्यार्थी जीवन की नींव को मजबूत करते हैं। सत्र के दौरान पिछले वर्ष प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके दो विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा किए और बताया कि इन मूल्यों ने उनके जीवन में क्या सकारात्मक परिवर्तन लाए हैं।

विषय वस्तु पर भी की गई विस्तृत चर्चा

कार्यशाला के प्रथम दिवस के मुख्य सत्र का संचालन प्रबोधक सुश्री दीप्ति ठाकुर द्वारा किया गया। उन्होंने मानवीय मूल्यों की गहराई और उनके व्यावहारिक पक्ष पर विद्यार्थियों के साथ विस्तृत चर्चा की। इस पूरे सत्र के दौरान तकनीकी प्रबंधन का उत्तरदायित्व श्री रमेश नापित ने बखूबी निभाया।

प्राचार्य ने लिया विद्यार्थियों और शिक्षकों से फीडबैक

सत्रों के समापन के पश्चात प्राचार्य श्री अशोक उपाध्याय ने विद्यार्थियों और शिक्षकों से फीडबैक लिया। उन्होंने जीवन में 'आनंद सभा' और 'अल्पविराम' की उपयोगिता को रेखांकित किया। प्राचार्य महोदय ने प्रेरक उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि मानवीय मूल्य केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला हैं। अंत में विद्यार्थियों को प्रथम दिवस से संबंधित गृहकार्य दिया गया।

इनकी रही उपस्थिति

इस कार्यशाला को सफल बनाने में विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षकों ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम में श्रीमती सविता पटेल, इंदिरा सोनी, रश्मि राय, संदीप सोनी, सुधा उपाध्याय, अमित जैन, अशोक पटेल, प्रखर गुप्ता, वर्षा साहू, राम बरन हल्दीकर, अमित श्रीवास्तव एवं राजपूत मैडम ने गंभीरता के साथ सहभागिता की।

पोषण पखवाड़ा

गांधीग्राम के आंगनबाड़ी केंद्र में 'पोषण पखवाड़ा' का आयोजन

सामुदायिक सहभागिता से दी गई स्वास्थ्य की जानकारी

नवभारत, सिहोरा। बच्चों और महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित करने तथा कुपोषण को जड़ से मिटाने के उद्देश्य से आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 4, गांधीग्राम में 'पोषण पखवाड़ा' उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस विशेष अवसर पर सामुदायिक गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों को पोषण और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नीता सिंह बघेल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में पोषण पखवाड़ा के महत्व पर विस्तृत चर्चा की गई। श्रीमती बघेल ने ग्रामवासियों, महिलाओं और किशोरी बालिकाओं को संबोधित करते हुए बताया कि एक स्वस्थ समाज की नींव संतुलित आहार पर टिकी होती है। उन्होंने विशेष रूप से गर्भावस्था और धात्री (स्तनपान कराने वाली) अवस्था के दौरान पोषण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और बताया कि सही खान-पान ही मां और बच्चे दोनों को सुरक्षित रख सकता है।

महिलाओं और किशोरियों की रही सक्रिय भागीदारी

कार्यक्रम में स्थानीय महिलाओं और किशोरियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। इसमें मुख्य रूप से गर्भवती और धात्री माताएं जैसे जानकी भूमिया और लक्ष्मी भूमिया के साथ-साथ सोनाक्षी, मीनाक्षी, लक्ष्मी भूमिया, साक्षी, अंशिका, भागवती, लक्ष्मी माला और शिल्पा कोरी जैसी अनेक किशोरी बालिकाएं उपस्थित रहीं। इन सभी प्रतिभागियों को केंद्र में आयोजित विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया, जिससे वे अपने दैनिक जीवन में पोषण संबंधी सुधार ला सकें।

स्वस्थ जीवन शैली और स्वच्छता पर दिया गया जोर

स्वास्थ्य चर्चा के दौरान संतुलित आहार, व्यक्तिगत स्वच्छता और नियमित स्वास्थ्य जांच जैसे प्रमुख बिंदुओं पर जोर दिया गया। महिलाओं को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध मौसमी फल व सब्जियों के लाभ बताए गए और भोजन से पूर्व हाथ धोने जैसी स्वच्छता की आदतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस सफल आयोजन ने न केवल ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति सजग किया, बल्कि समुदाय में एक-दूसरे की सेहत का ख्याल रखने की सामूहिक भावना को भी सुदृढ़ किया।